स्टार्टअप शुरू करने में यूपी चौथे नंबर पर

आशीष त्रिवेदी • लखनऊ

7,800 स्टार्टअप शुरू कर उप्र ने किया कमाल, युवाओं के सपनों को पंख लगेंगे

यूपी ने 7,800 स्टार्टअप मात्र दो वर्षों में ही स्थापित कर कमाल दिखाया है। देश में स्टार्टअप स्थापित करने में प्रदेश चौथे पायदान पर है। नई स्टार्टअप नीति-2020 में 10 हजार स्टार्टअप वर्ष 2025 तक शुरू करने का लक्ष्य था जो कि अब चंद महीनों में ही पूरा होता दिख रहा है। प्रदेश सरकार बेहतर कानून व्यवस्था और अच्छी सुविधाओं के दम पर युवाओं के सपनों को पंख लगाने का काम कर रही है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त अरविंद कुमार कहते हैं कि स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए तमाम प्रयास किए गए हैं। नई स्टार्टअप नीति में 100 स्टार्टअप केंद्र (इन्क्यूबेटर) स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है और अभी तक 55 स्टार्टअप केंद्र स्थापित हो चुके हैं। इन केंद्रों पर युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने के लिए न सिर्फ ट्रेनिंग बल्कि उन्हें उद्यम शुरू करने के लिए वित्तीय मदद भी दिलाई जाती है। ऐसे सेक्टर जो आने वाले समय में मजबूती से वैश्विक परिदृष्य पर उभरेंगे उन क्षेत्रों में यूपी ने छह सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित किए हैं। आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) पर इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (आइआइटी) कानपुर व फिक्की के सहयोग से नोएडा में सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित किया है। मेडिकल टेक्नोलाजी पर संजय गांधी पीजीआइ व साफ्टवेयर टेक्नोलाजी पार्क आफ इंडिया के सहयोग से, डिफेंस में सेंटर आफ एक्सीलेंस आइआइटी कानपुर व आइआइटी बीएचयू की मदद से, मोबाइल एक्सेसरीज पर सेंटर फार डेवलपमेंट इन एडवांस कंप्यूटिंग (सीडैक) व इंडियन सेल्यूलर एंड इलेक्ट्रानिक्स एसोसिएशन (आइसीईए) के सहयोग से तथा ड्रोन टेक्नोलाजी पर आइआइटी कानपुर के साथ मिलकर सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित किया गया है। यही नहीं एक हजार करोड़ रुपये स्टार्टअप फंड राज्य सरकार ने स्थापित किया है। इसे पहली किस्त में 25 करोड़ और दूसरी में 100 करोड़ रुपये और दिए जा रहे हैं। सिडबी द्वारा जरूरत के अनुसार स्टार्टअप शुरू करने के लिए फंड दिया जाएगा। वहीं 400 करोड़ का इनोवेशन फंड भी स्थापित किया गया है। यही कारण है कि स्टार्टअप तेजी से स्थापित हो रहे हैं। देश में कुल 84 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हैं। सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त इन्यूबेटर यानी स्टार्ट केंद्रों पर प्रशिक्षण के लिए 25 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इन्यूबेटर यानी स्टार्ट अप केंद्रों के साथ-साथ एक्सीलेरेटर सेंटर भी स्थापित होंगे।

कहां कितने स्टार्टअप

प्रदेश	पंजीकृत स्टार्टअप
महाराष्ट्र	15,571
कर्नाटक	9,904
दिल्ली	9,588
उत्तर प्रदेश	7,800
गुजरात	5,877

पाठ्यक्रम में मिलेगी स्टार्टअप संग एक वर्ष की छूट

स्कूल व कालेजों के पाठ्यक्रम में इसे शामिल कराया जा रहा है। अगर छात्र स्टार्टअप की ट्रेनिंग लेना चाहता है तो उसे स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्स की एक वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद एक वर्ष का विशेष अवकाश दिया जाएगा। यह अवधि उसके पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए तय समय-सीमा में नहीं जोड़ी जाएगी।